सप्लाई के लिए की गई संविदा के तहत सभी मद प्राप्त कर ली गई हैं। इस कम्पनी के साथ कोई नई संविदा नहीं की गई है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते।

भाषा संस्थानों की परियोजनाएं

1200. **श्री जगदीश प्रसाद माथुर** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय भाषाओं में कम्प्यूटर का प्रयोग संभव हो जाने से भाषा संस्थानों द्वारा कार्यान्वयन के लिये तैयार की गई दीर्घकालीन, मध्यकालीन और अल्पकालीन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है ;

(ख) उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां भाषाविदों और कम्प्यूटर विशेषज्ञों के संयुक्त मार्गदर्शन में भाषा और विज्ञान/तकनीकी विषयों सम्बन्धी शोध कार्य किया जा रहा है और क्या इस सम्बन्ध में कोई योजना है ; और

(ग) भाषा विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्बन्धी शोध कार्य का प्रकाशन किस शोध पत्रिका में करने का विचार है ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट अल्वा) : (क) और (ख) इलेक्ट्रानिक विभाग के भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास (टी० डी० आई० एल०) कार्यक्रम के अन्तर्गत, भारतीय भाषाओं में कम्प्यूटर के प्रयोग के क्षेत्र में 29 परियोजनाएं आरम्भ की गई हैं। इन परियोजनाओं की अवधि परियोजना के विशिष्ट क्षेत्र के आधार पर एक से चार वर्ष के बीच है। इन परियोजनाओं के अन्तर्गत निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं :-

--मशीनी अनुवाद प्रणाली

--ज्ञानार्जन प्रणाली

--प्राकृतिक भाषा संसाधन

--मानव-मशीन इन्टरफेस प्रणाली

इन परियोजनाओं के ब्यौरे अनुपत्र में दिए गए हैं। [देखिए परिशिष्ट 163, अनुपत्र संख्या 23]

(ग) शोधकर्ताओं को भाषा, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में अपने कार्यों को किसी भी भारतीय या अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित करने की पूरी छूट है। इस सम्बन्ध में किसी विशिष्ट पत्रिका का प्रस्ताव नहीं है।

कम्प्यूटरीकृत संस्कृत शब्दकोश

1201. **श्री प्रमोद महाजन :**
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :
क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संस्कृत के किसी शब्दकोष को कम्प्यूटरीकृत किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो एक कम्प्यूटरीकृत वृहत् संस्कृत शब्दकोष तैयार कराने के सम्बन्ध में सरकार की क्या योजना है ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट अल्वा) : (क) जी, नहीं।

(ख) यह प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) इलेक्ट्रानिकी विभाग के प्रशासनिक नियन्त्रण के अन्तर्गत उन्नत अभिकलन विकास केन्द्र, पुणे नामक एक स्वायत्त संस्था उत्तरतया दक्षिण, भारतीय और फारसी-अरबी लिप्यंतरण की सुविधाओं के अलावा विशेषक चिह्नों (रोमन लिप्यंतरण) और ब्रेलाघात (वैदिक संस्कृत के लिए) से युक्त अष्टाध्यायी (सूत्र पद) मणपद (शब्द निर्माण), धातु पद (क्रिया निर्माण), लिंगानुशासन (लिंग) तथा शिक्षा (ध्वनि विज्ञान) के लिए पाणिनी के सूत्रों पर